देवी तलाब भी दुनिया अंदर तीर्थ है महामाई दा

देवी तलाब भी दुनिया अंदर तीर्थ है महामाई दा,
सिद्ध पीढ़ ते आके सिर नु श्रद्धा नाल जुकाई दा,

लक्ष्मी काली वैष्णो माता मंदिर दे विच वास है,
त्रिपुर मालनी रूप सती दा पूरी करदा आस है,
भगति दा वर लेके माँ तो जीवन सफल बनाई दा,
सिद्ध पीढ़ ते आके सिर नु श्रद्धा नाल जुकाई दा,

सोहने दा एह मंदिर सोहना भगता रल बनवाया है,
तन मन धन नाल सेवा करके जो चाया सो पाया है .
आओ असि भी मंदिर चलिये मौका नहीं गवाई दा,
सिद्ध पीढ़ ते आके सिर नु श्रद्धा नाल जुकाई दा,

परिकर्मा विच शिव दे भगता शिवलिंग कई सजाये ने,
शिवशक्ति दी महिमा देखन देवी देवते आये ने,
जिस नु मिल जाए ऐसा द्वारा ओहनू होर की चाहिदा,
सिद्ध पीढ़ ते आके सिर नु श्रद्धा नाल जुकाई दा,

भगत प्यारे शुक्र वार नु माँ दी चोंकि करदे ने,
खीर दा भोग लगा के दर्शी वरुण हाजरी भरदे ने,
माँ दी रजा विच रह के राजी माँ दा शुक्र मनाई दा,
सिद्ध पीढ़ ते आके सिर नु श्रद्धा नाल जुकाई दा,

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/14099/title/devi-talab-bhi-duniya-andar-tirth-hai-mahamai-da

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |